FOUNDATION FOR A
SMOKE-FREE WORLD

फाउंडेशन रिपोर्ट श्रृंखला

कृषि एवं आजीविकाएं

Global Trends in Tobacco Production and Trade

Romita Shah, Dianna Bartone,
Richard Ferguson द्वारा लिखित

अभिस्वीकृतियाँ

रचयितागण रिपोर्ट की समीक्षा के लिए Dr. John Struthers, जो यूनिवर्सिटी ऑफ़ द वेस्ट ऑफ़ स्कॉटलैंड के स्कूल ऑफ़ बिज़नेस एंड एंटरप्राइज़ में सेंटर ऑफ़ एफ़्रिकन रिसर्च ऑन एंटरप्राइज़ एंड इकोनॉमिक डेवलपमेंट (CAREED) के प्राध्यापक एवं निदेशक हैं तथा Foundation for a Smoke-Free World के कृषि एवं आजीविकाएं दल के सलाहकार हैं, और Dr. Michael Johnson, जो फ़ाउंडेशन में शोध एवं विज्ञान के निदेशक हैं, को धन्यवाद देते हैं। यह कार्य फ़ाउंडेशन के अध्यक्ष, Dr. Derek Yach, और फ़ाउंडेशन में कृषि एवं आजीविकाएं के उपाध्यक्ष Mr. Jim Lutzweiler के प्रोत्साहन के बिना संभव नहीं था।

कार्यकारी सारांश

पिछले दो दशकों के दौरान, तंबाकू के उत्पादन और व्यापार के वैश्विक पैटर्नों में नाटकीय विस्थापन हुआ है। जहां तंबाकू नियंत्रण समूहों और सार्वजनिक स्वास्थ्य संगठनों द्वारा किया जाने वाला शोध मुख्य रूप से तंबाकू के उत्पादन पर केंद्रित रहा है और उसने इन विस्थापनों को संचालित करने वाले कई मुख्य रुझानों पर प्रकाश डाला है, वहीं तंबाकू व्यापार के पैटर्नों के बारे में उल्लेखनीय रूप से जानकारी की कमी है। वैश्विक तंबाकू अर्थव्यवस्था को—और उसके मुख्य खिलाड़ियों को—समझना तंबाकू आपूर्ति शृंखला के सभी चरणों के एक अधिक संपूर्ण ज्ञान को विकसित करने पर निर्भर है, और इस शृंखला में तंबाकू का उत्पादन, अविनिर्मित तंबाकू पत्ती का व्यापार, तंबाकू पत्ती का प्रसंस्करण करके विभिन्न तंबाकू उत्पादों का विनिर्माण, और विनिर्मित तंबाकू उत्पादों का व्यापार एवं उपभोग शामिल है। कई अन्य वस्तुओं की तरह, तंबाकू की अपनी अनूठी और विकसित होती हुई आपूर्ति श्रृंखला है। यह रिपोर्ट अविनिर्मित तंबाकू पत्ती के उत्पादन और व्यापार के पैटर्नों को समझने पर केंद्रित है।

रिपोर्ट की शुरूआत पिछले दो दशकों में तंबाकू उत्पादन में प्रमुख रुझानों पर ध्यान देते हुए होती है। यह स्पष्ट है कि तंबाकू का उत्पादन यूरोप और उत्तरी अमेरिका के उच्च-आय देशों से अफ़्रीका, एशिया, और दक्षिणी अमेरिका के निम्न- और मध्यम-आय देशों को विस्थापित हो गया है। फिर भी, जांच अवधि के दौरान कुछ मुट्ठीभर देश—जिनमें चीन, ब्राज़ील, भारत, और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं—ही विश्व के शीर्ष उत्पादक बने हुए हैं। हालांकि, समय के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका में उत्पादन में उल्लेखनीय गिरावट आई है, जिससे वैश्विक तंबाकू उत्पादन पर तीन प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं—चीन, ब्राज़ील, और भारत—का प्रभुत्व रह गया है। सामूहिक रूप से, ये तीन देश अब दुनिया में तंबाकू की पत्ती की आपूर्ति का लगभग दो-तिहाई उत्पादन करते हैं।

यह रिपोर्ट फिर वैश्विक तंबाकू व्यापार के समवर्ती रुझानों का एक विहंगावलोकन प्रदान करती है। ऐसा करने में, कई मुख्य रुझान स्पष्ट हो जाते हैं:

- वैश्विक तंबाकू उत्पादन में हो रहे क्षेत्रीय विस्थापन, वैश्विक तंबाकू व्यापार के बदलते पैटर्नों में कम-से-कम आंशिक रूप से तो प्रतिबिंबित होते ही हैं।
- तीन प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं, जो विश्व में तंबाकू उत्पादन के तीन सबसे बड़े खिलाड़ी भी हैं—चीन, ब्राज़ील, और भारत—तंबाकू की वैश्विक आपूर्ति में एक प्रधान और विशिष्ट भूमिका निभाती हैं। ब्राज़ील की तुलना में, चीन और भारत में होने वाले उत्पादन का एक बड़ा भाग उनके स्वयं के घरेलू बाज़ारों (जो वैश्विक स्तर पर एक विशाल उपभोक्ता आधार है) को जाता है। ये दोनों देश उत्पादन से आगे निकलकर विनिर्माण के क्षेत्र में जाते हुए तंबाकू की मूल्य शृंखला की वर्धित कड़ियों को अपनी पकड़ में लेने में सफल रहे हैं। अन्य निम्न- और मध्यम-आय वाले तंबाकू-उत्पादक देश इनका अनुसरण करने को आतुर दिखते हैं।
- तंबाकू के निर्यात और आयात का एक अधिक विस्तृत, देश-दर-देश विश्लेषण यह संकेत देता है कि, उदाहरण के लिए, आयातक के रूप में चीन का महत्व बढ़ता जा रहा है, जो संभवतः यह संकेत देता है कि निम्न- और मध्यम-आय देशों के बीच व्यापार (जैसे ब्राज़ील से चीन) बढ़ रहा है।
- आमतौर पर उत्तरी अमेरिका और यूरोप के उच्च-आय देश अविनिर्मित तंबाकू के शीर्ष आयातक रहे हैं। विशेषकर, बेल्जियम-लक्ज़मबर्ग ने 2016 में अविनिर्मित तंबाकू आयात के शीर्ष आयातक का और अविनिर्मित तंबाकू के छठवें सबसे बड़े निर्यातक का स्थान पाया, और 1996 की तुलना में ये दोनों ही विशाल वृद्धियां हैं। इस वृद्धि के पीछे के संचालक बलों के जटिल और बहुकारकीय होने की संभावना है, जैसे कि रिपोर्ट में चर्चा की गई है।

यह रिपोर्ट तंबाकू नियंत्रण उपायों के भविष्य के लिए इन रुझानों के निहितार्थों की खोजबीन के साथ समाप्त होती है।

Foundation for a Smoke-Free World (एतदपश्चात "फ़ाउंडेशन" या "FSFW" नाम से संदर्भित) की ओर से यह अपनी तरह की पहली रिपोर्ट है, और यह रिपोर्ट तंबाकू के उत्पादन और व्यापार में उभरते हुए वैश्विक रुझानों का एक आरंभिक विहंगावलोकन प्रदान करने के उद्देश्य से प्रस्तुत की जा रही है। आंकड़े उपलब्ध होने पर आगामी रिपोर्टें विश्लेषण को आगे बढ़ाते हुए संभावित रूप से विनिर्मित तंबाकू उत्पादों, पत्ती के प्रकार के अनुसार तंबाकू उत्पादन के विस्तृत विवरण, और तंबाकू उत्पादों के अन्य प्रकारों में विस्तार से संबंधित पूर्वानुमान प्रस्तुत करेंगी। उदाहरण के लिए, हो सकता है कि वैश्विक स्तर पर हानि-घटाव उत्पादों (जैसे ई-सिगरेट) के उपभोग में हो रही वृद्धि तंबाकू पत्ती की किस्मों के उत्पादन और व्यापार प्रवाह पर पहले से कुछ प्रभाव डाल रही हों, चूंकि उनका बाजार अंश बढ़ रहा है (उदाहरण के लिए निकोटिआना रस्टिका, जिसमें कथित तौर पर निकोटीन की अधिक मात्रा होती है)।

प्रस्तावना

पिछले दो दशकों के दौरान, तंबाकू के वैश्विक उत्पादन और व्यापार में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। हालांकि इस समय के दौरान तंबाकू के वैश्विक उत्पादन में हुए बदलावों का अच्छी तरह अध्ययन किया जा चुका है, पर तंबाकू के वैश्विक व्यापार और प्रवाह में हुए बदलावों के बारे में जानकारी की उल्लेखनीय कमी है। यह रिपोर्ट उस असंतुलन को संबोधित करने के एक प्रारंभिक प्रयास का प्रतिनिधित्व करती है। इस रिपोर्ट का आरंभ विधियों के बारे में एक संक्षिप्त नोट से होता है और फिर यह तंबाकू के वैश्विक उत्पादन के मुख्य रुझानों का सारांश देती है। इसके बाद इसमें तंबाकू के वैश्विक व्यापार के मुख्य रुझानों की छानबीन की गई है और यह रिपोर्ट इस बात पर विशेष बल देती है कि किस प्रकार तंबाकू व्यापार के विस्थापन, तंबाकू उत्पादन में हुए विस्थापन का, कम-से-कम आंशिक रूप से, एक प्रतिबिंब हैं, जिससे प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं और "दक्षिण-दक्षिण" लेनदेनों की संभावित अतिकाय भूमिका पर प्रकाश पड़ता है। इसके बाद यह रिपोर्ट तंबाकू नियंत्रण उपायों के लिए इन रुझानों के निहितार्थों की जांच के साथ समाप्त होती है।

क्रियापद्धति पर एक नोट

इस रिपोर्ट में प्रयुक्त समस्त तंबाकू उत्पादन आंकड़े संयुक्त राष्ट्र (UN) के खाद्य व कृषि संगठन (FAO) के सांख्यिकीय डेटाबेस FAOSTAT से प्राप्त फसल उत्पादन आंकड़ों को संदर्भित करते हैं।[1] FAO तंबाकू (FAOSTAT जिंस सूची कोड 0826) को "अविनिर्मित शुष्क तंबाकू, जिसमें वह अवशिष्ट शामिल है जिसे तने या डंठल से अलग नहीं किया गया है, या जिसे आंशिक या पूर्ण रूप से तने या डंठल से अलग किया गया है" के रूप में परिभाषित करता है। FAOSTAT अपने आंकड़े FAO सदस्य देशों से प्रश्नावलियों, राष्ट्रीय प्रकाशनों या देशों की वेबसाइटों के माध्यम से प्राप्त करता है।

तंबाकू व्यापार के समस्त आंकड़े अंतरराष्ट्रीय आर्थिकी के अग्रणी फ्रांसीसी संस्थान Centre d'Études Prospectives et d'Informations Internationales द्वारा विकसित एक विश्व व्यापार डेटाबेस Base Pour L'Analyse du Commerce International (BACI) से प्राप्त किए गए थे।[2] BACI, UN कॉमट्रेड आंकड़ों में निर्यातक और आयातक देशों की घोषणाओं के बीच की विसंगतियों को एक मौलिक क्रियापद्धति का उपयोग करके दूर करता है। UN कॉमट्रेड और BACI, दोनों ही तंबाकू को सामंजस्यपूर्ण प्रणाली (हार्मोनाइज़्ड सिस्टम, HS) जिंस वर्गीकरण योजना के अनुसरण में परिभाषित करते हैं। इस रिपोर्ट में उपस्थित अविनिर्मित तंबाकू व्यापार आंकड़े अधिकतम समय उपलब्धता के लिए HS जिंस वर्गीकरण योजना के 1992 संस्करण का उपयोग करते हुए "तंबाकू, अविनिर्मित; तंबाकू अवशिष्ट" (HS-4 कोड 2401) को संदर्भित करते हैं। इस बात पर ध्यान दिया जाना चाहिए कि इन दो जिंस श्रेणियों की परिभाषाएं पूरी तरह मेल खाती हैं, पर दोनों स्रोतों की आंकड़ा एकत्रण और प्रसंस्करण विधियों में अंतर हैं। BACI, FAOSTAT, या उनके संयोजन से प्राप्त आंकड़ों का प्रयोग करते हुए, Stata/SE 15.1 for PC के उपयोग से आलेख और मानचित्र बनाए गए थे।

यहां यह ध्यान रखना उचित होगा कि यह रिपोर्ट अविनिर्मित तंबाकू या तंबाकू पत्ती पर केंद्रित है, क्योंकि यह तंबाकू उद्योग की मूल्य शृंखला के प्रतिप्रवाह खंड को निरूपित करती है जो फ़ाउंडेशन की Agricultural Transformation Initiative (एतदपश्चात "ATI" नाम से संदर्भित) का मुख्य फ़ोकस है।

वैश्विक तंबाकू उत्पादन में पैटर्न

हालिया दशकों में, वैश्विक तंबाकू उत्पादन में उल्लेखनीय वर्ष-दर-वर्ष विचरण देखने को मिले हैं (चित्र 1)। विचार करें कि वार्षिक वैश्विक तंबाकू उत्पादन 1996 में 7.4 मिलियन (m) टन से थोड़ा कम था जो 1997 में लगभग 8.9 मिलियन टन पहुंच गया, और उसके बाद 1998 में घटकर लगभग 6.9 मिलियन टन रह गया।[1] इन उल्लेखनीय वर्ष-दर-वर्ष विचरणों के बावजूद, वैश्विक तंबाकू उत्पादन का दीर्घकालिक

रुझान सपाट दिखाई पड़ता है। यदि हम 1997 में उत्पादित हुए लगभग 8.9 मिलियन टन को दो-दशक-में-एक-बार होने वाली विषमता के रूप में अलग कर दें, तो पिछले दो दशकों में वार्षिक उत्पादन 6.0 से 7.6 मिलियन टन के बीच रहा है।[1,i]

चित्र 1

1996 से **2016** तक टन में वैश्विक तंबाकू उत्पादन।

ट्रेंड लाइन तीन साल के गतिमान औसत का प्रतिनिधित्व करती है।

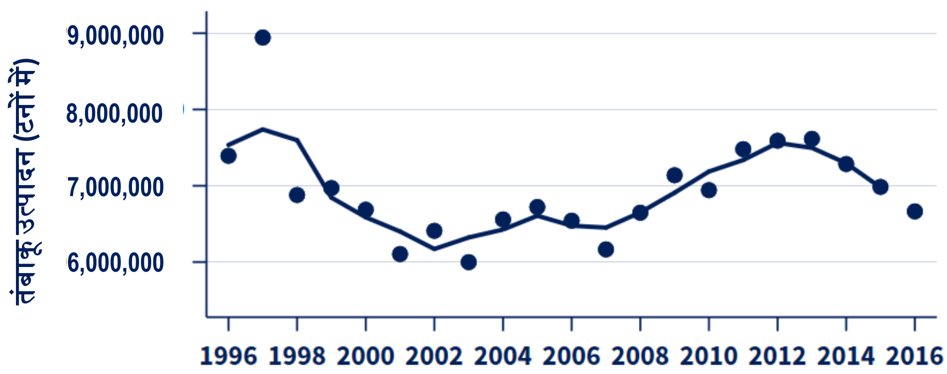

स्रोत: यह रेखाचित्र रचयिताओं ने FAOSTAT से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग करके बनाया था।[1]

क्षेत्रीय स्तर पर तंबाकू उत्पादन के विश्लेषण से हालिया दशकों में उच्च-आय महाद्वीपों जैसे यूरोप और उत्तरी अमेरिका से निम्न- और मध्यम-आय महाद्वीपों जैसे अफ़्रीका, एशिया,[ii] और दक्षिणी अमेरिका को हुआ एक स्पष्ट विस्थापन उजागर होता है (चित्र 2)।[1] 1996 से 2016 के बीच, यूरोप और उत्तरी अमेरिका के वैश्विक उत्पादन का संयुक्त अंश 19.2% से घटकर आधे से भी कम, 9.4% रह गया, वहीं अफ़्रीका, एशिया और दक्षिणी अमेरिका का संयुक्त अंश 80.7% से बढ़कर 90.5% हो गया।[1]

चित्र 2

1996 और **2016** में क्षेत्र द्वारा वैश्विक तंबाकू उत्पादन का प्रतिशत।

हालिया दशकों में, यूरोप और उत्तरी अमेरिका (कैरेबियन और मध्य अमेरिका शामिल) में वैश्विक तंबाकू उत्पादन का प्रतिशत सिकुड़ा है, वहीं अफ़्रीका, एशिया (ओशीनिया शामिल), और दक्षिणी अमेरिका का उक्त प्रतिशत फैला है।

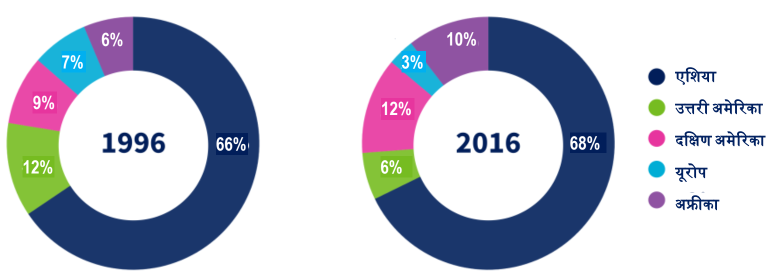

स्रोत: यह रेखाचित्र रचयिताओं ने FAOSTAT से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग करके बनाया था।[1,iii]

समय के साथ उत्पादन के पूर्ण स्तर (चित्र 3) में इसी तरह बदलाव आया है। 1996 से 2016 के बीच, यूरोप में तंबाकू उत्पादन 535,000 टन से घटकर 228,000 टन रह गया, और इसी अवधि में उत्तरी अमेरिका में तंबाकू उत्पादन 888,000 टन से घटकर 402,000 टन रह गया।[1] ये आंकड़े दोनों महाद्वीपों में उत्पादन में 50% से भी अधिक गिरावट दर्शाते हैं। इसी अवधि में, अफ़्रीका में तंबाकू उत्पादन 469,000 टन से बढ़कर 698,000 टन हो गया, जो 49% की वृद्धि है, और दक्षिणी अमेरिका में तंबाकू उत्पादन 653,000 टन से बढ़कर 821,000 टन हो गया,

[i] यदि हम इस अवधि के दौरान विश्व जनसंख्या वृद्धि पर विचार करें, तो इससे यह अर्थ निकलता है कि इस पूरी अवधि में प्रति व्यक्ति तंबाकू उत्पादन में गिरावट आती रही है।

[ii] एशिया में ओशिनिया शामिल है। ओशिनिया में तंबाकू उत्पादन अन्य सभी क्षेत्रों के सापेक्ष नगण्य है। ओशिनिया में न्यूजीलैंड के अलावा माइक्रोनेशिया, फिजी और सारा पोलिनेशिया शामिल हैं।

[iii] सन्निकटन के कारण हो सकता है कि संख्याओं का योग 100% न हो।

जो 26% की वृद्धि है।[1] इसी अवधि में एशिया में तंबाकू उत्पादन में मामूली गिरावट हुई और वह 4.84 मिलियन टन से घटकर 4.51 मिलियन टन रह गया।[1]

चित्र 3

1996 से 2016 तक तंबाकू उत्पादन के क्षेत्रवार रुझान टनों में।

तंबाकू का उत्पादन उच्च-आय महाद्वीपों जैसे यूरोप और उत्तरी अमेरिका (कैरेबियन और मध्य अमेरिका शामिल) से निम्न- और मध्यम-आय महाद्वीपों जैसे अफ़्रीका, एशिया, और दक्षिणी अमेरिका को विस्थापित हो गया।

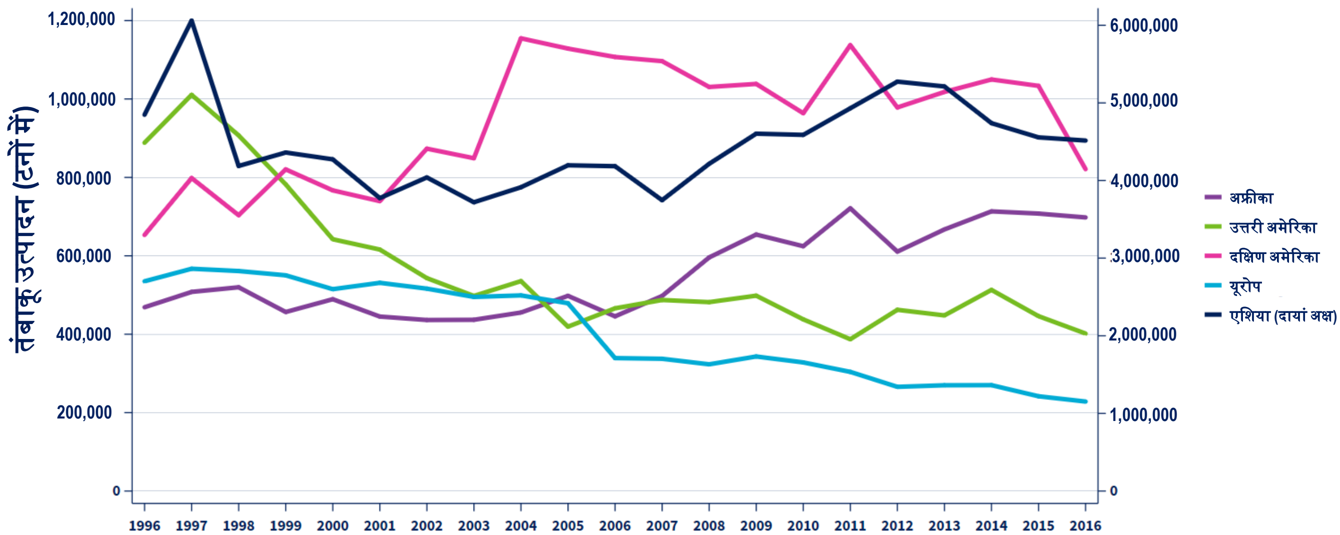

स्रोत: *यह रेखाचित्र रचयिताओं ने FAOSTAT से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग करके बनाया था।*[1]

उत्पादन की ये वृद्धियां मुख्य रूप से चीन, ब्राज़ील, और अधो-सहारा अफ़्रीका—जहां, 2016 के आंकड़ों के अनुसार विश्व के शीर्ष तंबाकू-उत्पादक देशों में से पांच देश स्थित हैं, जिनमें जिम्बाब्वे (6वां स्थान), ज़ाम्बिया (7वां स्थान), तंज़ानिया (9वां स्थान), मोज़ाम्बिक़ (11वां स्थान), और मालावी (13वां स्थान) शामिल हैं— में हुई हैं।[1] इन देशों में तंबाकू एक प्रमुख नकदी फसल है जो स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को अति-आवश्यक योगदान प्रदान करती है। उदाहरण के लिए, 2016 में तंबाकू के निर्यात का मालावी के कुल मर्चेंडाइज़ निर्यात अर्जन में 59% योगदान था, जिससे यह देश विश्व का सर्वाधिक तंबाकू-निर्भर देश बन गया है।[2,iv]

इस समय के दौरान, चार देश तंबाकू के विश्व के शीर्ष उत्पादक बने हुए हैं: ब्राज़ील, भारत, चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका।[1] हालांकि, संयुक्त राज्य अमेरिका के योगदान में समय के साथ गिरावट आई है। हालांकि यह वैश्विक स्तर पर तंबाकू उत्पादकों में अभी-भी चौथे स्थान पर है, पर यह विश्व के कुल तंबाकू का लगभग 4% उत्पादित करता है, जबकि चीन लगभग 42%, भारत 11%, और ब्राज़ील 10% का उत्पादन करते हैं।[1]

[iv] आंकड़े BACI व्यापार डेटाबेस से लिए गए थे और उनकी गणना इस प्रकार की गई थी: 2016 में तंबाकू से प्राप्त निर्यात मूल्य/2016 में कुल निर्यात मूल्य = 550,148,000/932,203,000 = .59.

वैश्विक तंबाकू व्यापार में रुझान

वैश्विक तंबाकू व्यापार में उच्च-आय से निम्न- और मध्यम-आय देशों को हुए क्षेत्रीय विस्थापन और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं द्वारा निभाई गई अतिकाय भूमिका।

1996 से 2016 के बीच वैश्विक स्तर पर तंबाकू पत्ती की व्यापारित मात्रा 2.16 मिलियन टन से बढ़कर 2.35 मिलियन टन हो गई, जो औसतन 0.02 मिलियन टन प्रति वर्ष की वृद्धि दर्शाती है (चित्र 4)।[2] अविनिर्मित तंबाकू के निर्यात, तंबाकू मूल्य शृंखला की सबसे शुरुआती कड़ियों में से एक हैं और इनकी शुरुआत तंबाकू पत्ती उगाने से होती है, जो निम्न- और मध्यम-आय देशों में अधिकाधिक केंद्रित होता जा रहा है।[3] इसके बाद इस तंबाकू का प्रसंस्करण, विनिर्माण और वितरण किया जाता है तथा उसे तैयार तंबाकू उत्पादों के रूप में बेचा जाता है।

हालिया दशकों में, तंबाकू उत्पादन में यूरोप और उत्तरी अमेरिका से अफ़्रीका, एशिया और दक्षिणी अमेरिका को हुए क्षेत्रीय विस्थापन, व्यापार के पैटर्नों में आंशिक रूप से प्रतिबिंबित हुए हैं (चित्र 5)।[2] उत्तरी अमेरिका में तंबाकू उत्पादन में गिरावट के बाद इस क्षेत्र से तंबाकू के निर्यात में गिरावट आई है; आंकड़ों की दृष्टि से देखें तो 1996 में यहां से 345,000 टन का निर्यात हुआ था, जो 2016 में 209,000 टन रह गया।[2] इस गिरावट के पीछे के कारण बहुकारकीय मालूम पड़ते हैं। उदाहरण के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका में यह गिरावट इस तथ्य से जुड़ी मालूम होती है कि अमेरिका में निर्मित सिगरेट में उपस्थित तंबाकू की मात्रा, मात्र कुछ दशक पहले की मात्रा की तुलना में 40% घट चुकी है, और यह कि संघीय मूल्य समर्थन कार्यक्रम के चलते तंबाकू उगाना अन्य देशों की तुलना में महंगा हो गया है, और यह कि सिगरेट विनिर्माताओं और राज्यों के महाधिवक्ता के बीच हुए 1998 के महा निपटान करार (मास्टर सेटलमेंट एग्रीमेंट) के फलस्वरूप मांग में उल्लेखनीय गिरावट आई है।[4]

अफ़्रीकी और दक्षिणी अमेरिकी उत्पादन में वृद्धि होने के बाद इन क्षेत्रों से तंबाकू के निर्यात में तत्संबंधी उछाल आया है। अफ़्रीका से तंबाकू का निर्यात 1996 में 355,306 टन था जो 2016 में बढ़कर 434,799 टन पहुंच गया, वहीं दक्षिणी अमेरिका में इसी अवधि में यह आंकड़ा 377,273 टन से बढ़कर 602,671 टन हो गया।[2] इन वृद्धियों के पीछे मुख्य रूप से इन क्षेत्रों के कुछ मुट्ठीभर देशों का हाथ है, जिनमें ब्राज़ील, और अफ़्रीका के "महा पांच" देश यानि ज़िम्बाब्वे, ज़ाम्बिया, तंज़ानिया, मोज़ाम्बिक़ और मालावी शामिल हैं।[2]

चित्र 4

1996 से 2016 तक अविनिर्मित तंबाकू का वैश्विक व्यापार टनों में।

ट्रेंड लाइन तीन साल के गतिमान औसत का प्रतिनिधित्व करती है।

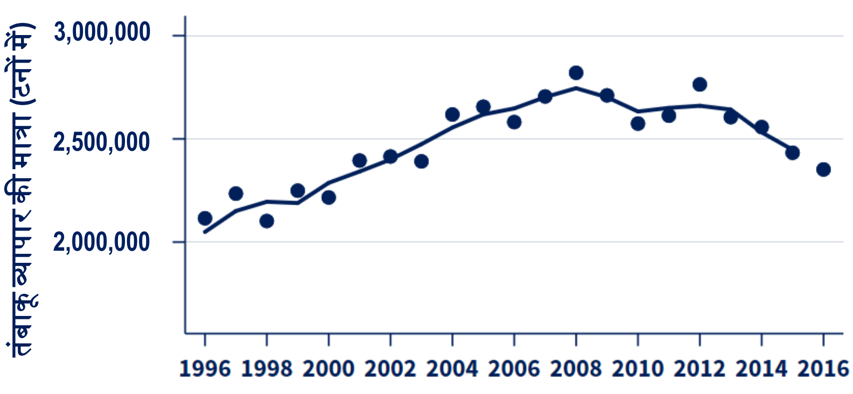

स्रोत: यह रेखाचित्र रचयिताओं ने BACI से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग करके बनाया था।[2]

चित्र 5

1996 से **2016** तक तंबाकू निर्यात के क्षेत्रवार रुझान टनों में।

उत्तरी अमेरिका (कैरेबियन और मध्य अमेरिका शामिल) से होने वाले तंबाकू निर्यात में गिरावट हुई है, वहीं अफ़्रीका और दक्षिणी अमेरिका से होने वाले तंबाकू निर्यात में वृद्धि हुई है। एशिया से तंबाकू निर्यात में मामूली वृद्धि हुई है, जबकि यूरोप के निर्यात स्थिर बने हुए हैं।

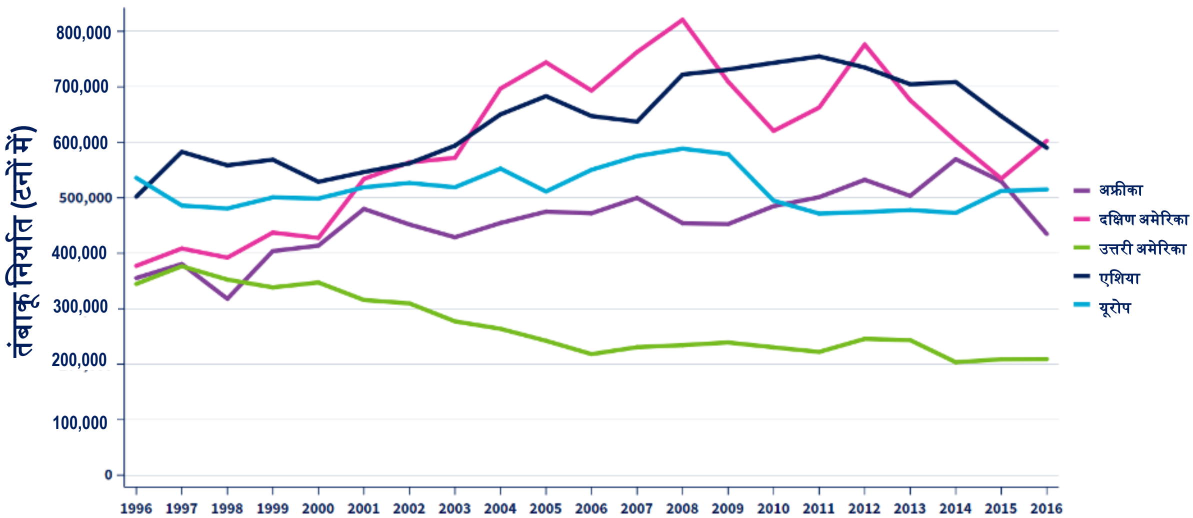

स्रोत: *यह रेखाचित्र रचयिताओं ने BACI से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग करके बनाया था।*[2]

देश के स्तर पर रुझानों के विश्लेषण से यह बात सामने आती है कि विश्व के प्रमुख तंबाकू उत्पादक ही विश्व के शीर्ष तंबाकू निर्यातक भी हैं, जो कोई आश्चर्य की बात नहीं है (चित्र 6)। इनमें से ब्राज़ील, चीन और भारत मुख्य हैं (तालिका 1)। जांच की संपूर्ण अवधि के दौरान ब्राज़ील सबसे बड़ा निर्यातक बना रहा है, वहीं चीन 1996 में नौवें स्थान से उछलकर 2016 में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है।[2] इसी बीच, भारत ने 1996 में आठवें स्थान से 2016 में दूसरे स्थान तक की तेज़ छलांग मारी है।[2]

इसी बीच, निर्यातक के तौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका का महत्व समय के साथ लगातार घटता जा रहा है। 1996 में संयुक्त राज्य अमेरिका ने 248,939 टन तंबाकू का निर्यात किया था, जिससे वह उस वर्ष दूसरा सबसे बड़ा तंबाकू निर्यातक बन गया था (केवल ब्राज़ील उससे आगे था)।[2] 2006 में यह आंकड़ा गिरकर 170,604 टन पर आ गया, जिससे वह तीसरा सबसे बड़ा तंबाकू निर्यातक बना (ब्राज़ील और मालावी, दोनों उससे आगे थे)।[2] 2016 में निर्यात में और गिरावट हुई और यह आंकड़ा 152,392 टन पर पहुंच गया, जिससे उस वर्ष निर्यातकों में वह चौथे स्थान पर पहुंच गया और ब्राज़ील, भारत व चीन उससे आगे निकल गए।[2] मालावी को साथ ले लें तो ये देश अब विश्व के पांच सबसे बड़े तंबाकू निर्यातक हैं।[2]

चित्र 6

2016 में दुनिया भर के देशों द्वारा निर्यात की गई तंबाकू की कुल मात्रा।

तंबाकू के सबसे बड़े निर्यातक, निर्यात की गई मात्रा के क्रम में ब्राज़ील, भारत, चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका और मालावी थे। जांच की संपूर्ण अवधि में ब्राज़ील शीर्ष निर्यातक बना रहा है, वहीं चीन और भारत ने हालिया वर्षों में मालावी और संयुक्त राज्य अमेरिका को पीछे छोड़ा है।

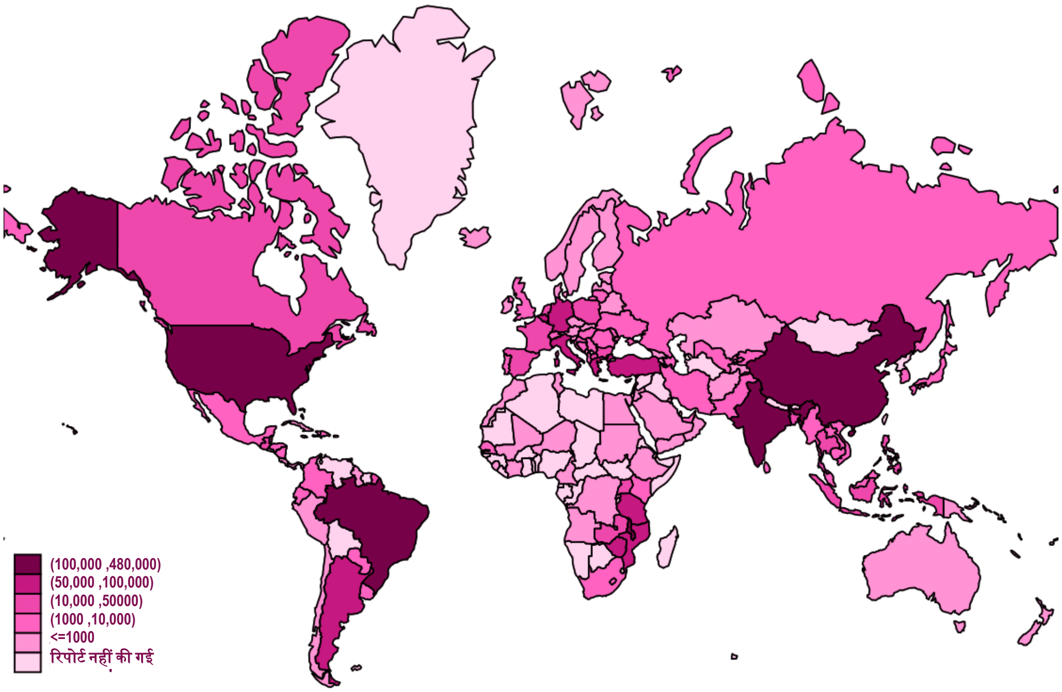

स्रोत: *यह चित्रण रचयिताओं ने BACI* से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग करके बनाया था।[2]

तालिका 1:

1996, 2006 और 2016 में मात्रा वार शीर्ष तंबाकू-निर्यातक देश।

1996		2006		2016	
देश	मात्रा (टनों में)	देश	मात्रा (टनों में)	देश	मात्रा (टनों में)
ब्राज़ील	293,093	ब्राज़ील	567,270	ब्राज़ील	478,857
यूएसए	248,939	मालावी	184,310	भारत	204,307
जिम्बाब्वे	171,702	यूएसए	170,604	चीन	161,515
तुर्की	158,632	चीन	159,512	यूएसए	152,392
इटली	143,644	भारत	157,841	मालावी	125,789
ग्रीस	139,570	तुर्की	127,780	बेल्जियम-लक्समबर्ग	93,929
मालावी	107,322	अर्जेंटीना	103,536	अर्जेंटीना	92,961
भारत	95,695	इटली	103,391	जिम्बाब्वे	88,204
चीन	74,005	ग्रीस	91,844	तंजानिया	79,835
अर्जेंटीना	57,455	जिम्बाब्वे	65,639	इटली	75,307
कुल (दुनिया भर में)	2,020,682	कुल (दुनिया भर में)	2,445,725	कुल (दुनिया भर में)	2,399,690

स्रोत: *यह तालिका रचयिताओं ने BACI* से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग करके बनाई थी।[2]

ब्राज़ील

1996 में ब्राज़ील ने 477,000 टन से भी अधिक तंबाकू उत्पादित किया और उसमें से 294,000 टन (62%) निर्यात कर दिया।[1,2] 2007 में अपने शिखर के निकट उसने 909,000 टन से भी अधिक का उत्पादन किया और 633,000 टन (70%) से अधिक का निर्यात किया।[1,2] उसके बाद से उत्पादन 676,000 और 952,000 टन के बीच बना हुआ है, वहीं निर्यात 460,000 और 688,000 टन के बीच बने हुए हैं।[1,2] हालांकि, उत्पादन और निर्यात, दोनों का समग्र रुझान ऊपर की ओर ही है; आंकड़ों की दृष्टि से देखें तो इस देश ने पिछले दो दशकों से तंबाकू के लगभग 17,000 टन प्रति वर्ष का अतिरिक्त उत्पादन और लगभग 12,000 टन प्रति वर्ष का अतिरिक्त निर्यात किया है (चित्र 7 व 8)।[v]

ब्राज़ील जिस पैमाने पर तंबाकू का निर्यात करता है वह विशेष रूप से ध्यान देने योग्य है। वह पिछले दो दशकों से तंबाकू का अग्रणी निर्यातक बना हुआ है, और हालिया वर्षों में कुल तंबाकू निर्यात का लगभग पांचवा भाग ब्राज़ील से हुआ है।[2] 2016 में इन निर्यातों के शीर्ष गंतव्य थे बेल्जियम-लक्ज़मबर्ग[vi] (78,219 टन), संयुक्त राज्य अमेरिका (53,388 टन), चीन (42,631 टन), रूस (32,140 टन), और जर्मनी (18,286 टन) (चित्र 9)।

चित्र 7

1996 से 2016 तक ब्राज़ील द्वारा उत्पादित तंबाकू टनों में।

ट्रेंड लाइन तीन साल के गतिमान औसत का प्रतिनिधित्व करती है।

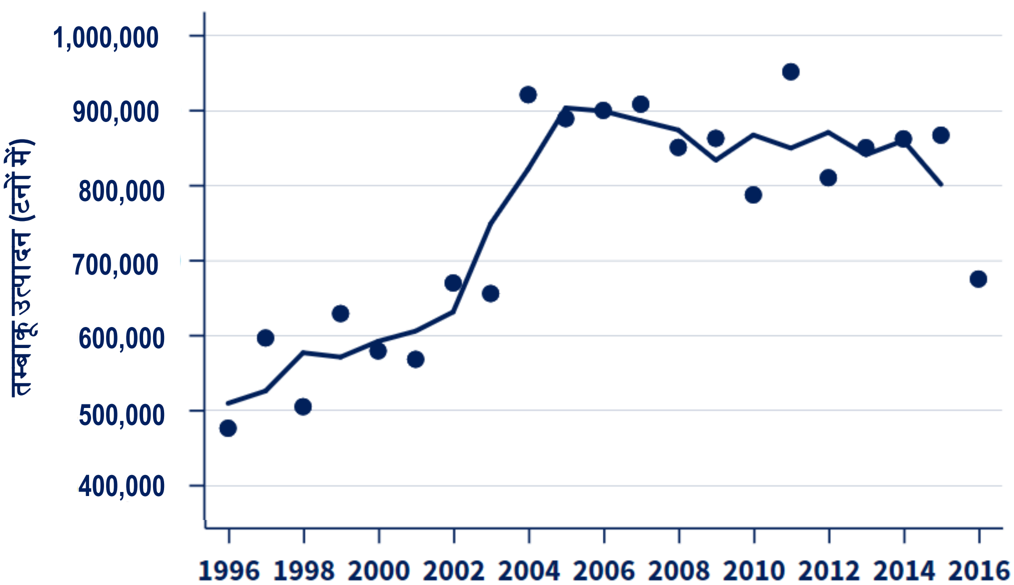

***स्रोत:** यह रेखाचित्र रचयिताओं ने FAOSTAT से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग करके बनाया था।[1]*

v रचयिताओं द्वारा गणना किए गए रेखीय समाश्रयण के अनुमान के अनुसार।

vi आंकड़ा-समुच्चय बेल्जियम और लक्ज़मबर्ग देशों को एक इकाई के रूप में संदर्भित करता है। अतः हम दोनों देशों को हुए निर्यात अलग-अलग दिखाने में असमर्थ हैं। अनुमानतः, आंकड़ों में प्रेक्षित हुई “बेल्जियम-लक्ज़मबर्ग” को निर्यातों की बड़ी संख्या में मुख्य रूप से बेल्जियम को हुए निर्यात शामिल होंगे (चूंकि वहां एंटवर्प बंदरगाह है, जबकि लक्ज़मबर्ग चारों ओर से भूमि से घिरा है)।

चित्र 8

1996 से 2016 तक ब्राज़ील द्वारा निर्यात किया गया तंबाकू टनों में।

ट्रेंड लाइन तीन साल के गतिमान औसत का प्रतिनिधित्व करती है।

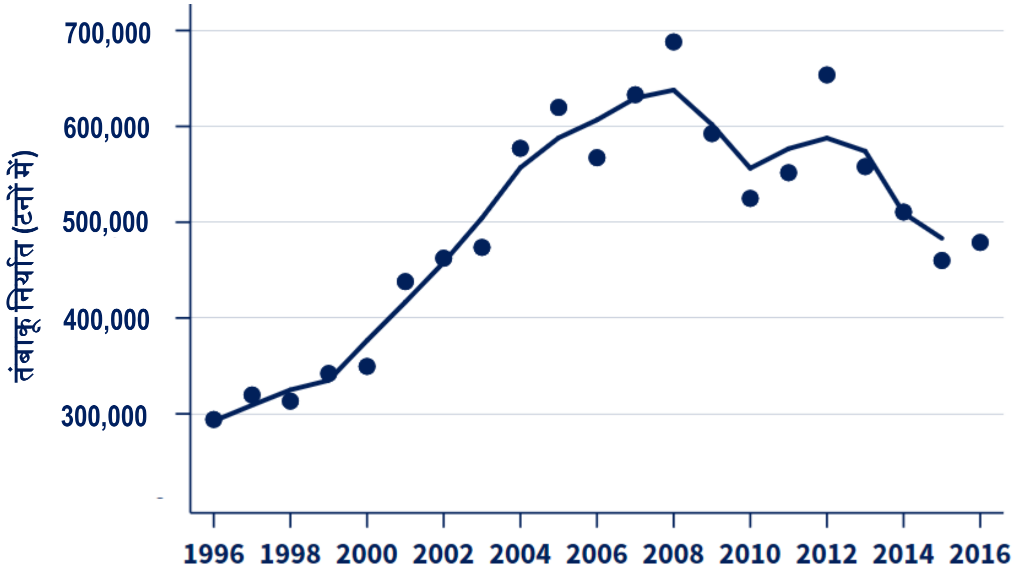

स्रोत: *यह रेखाचित्र रचयिताओं ने BACI* से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग करके बनाया था।[2]

चित्र 9

2016 में ब्राज़ील से तंबाकू निर्यात के शीर्ष गंतव्य।

ब्राज़ील के निर्यातों के शीर्ष गंतव्य, निर्यात की मात्रा के क्रम में, बेल्जियम-लक्ज़मबर्ग (78,219 टन), संयुक्त राज्य अमेरिका (53,388 टन), चीन (42,631 टन), रूस (32,140 टन) और जर्मनी (18,286 टन) थे।

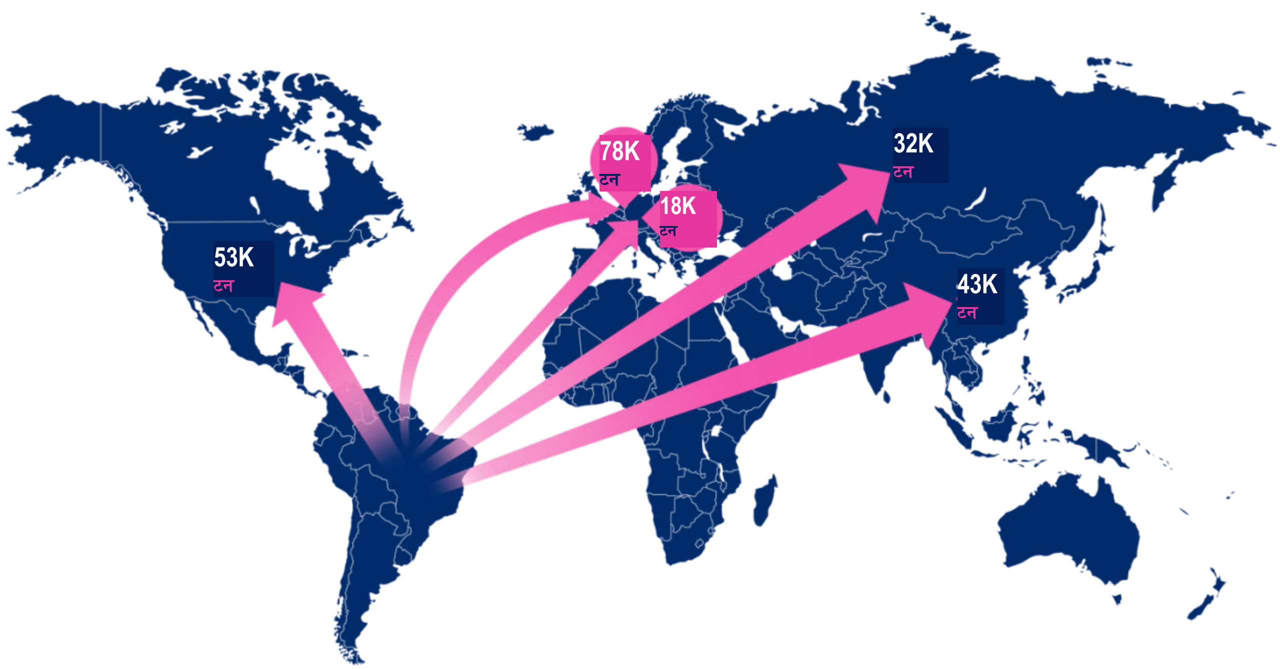

स्रोत: *यह चित्रण रचयिताओं ने BACI से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग करके बनाया था।*[2]

भारत

1996 में भारत ने 535,000 टन से अधिक तंबाकू का उत्पादन किया जिसमें से 96,000 टन (18%) का निर्यात हुआ।[1, 2] समय के साथ उत्पादन और निर्यात में आए उल्लेखनीय उतार-चढ़ावों के बावजूद, समग्र रुझान ऊपर की ओर ही बने हुए हैं। पिछले दो दशकों में उत्पादन में लगभग 12,000 टन प्रति वर्ष की वृद्धि हुई है, और निर्यात में लगभग 7,000 टन प्रति वर्ष की वृद्धि हुई है (चित्र 10 और 11)।[vii] सबसे हाल में, 2016 में भारत ने 761,000 टन से अधिक तंबाकू का उत्पादन किया और 204,000 टन से अधिक का निर्यात किया।[1, 2]

चित्र 10

1996 से 2016 तक भारत द्वारा उत्पादित तंबाकू टनों में।

यह लाइन तीन साल के गतिमान औसत का प्रतिनिधित्व करती है।

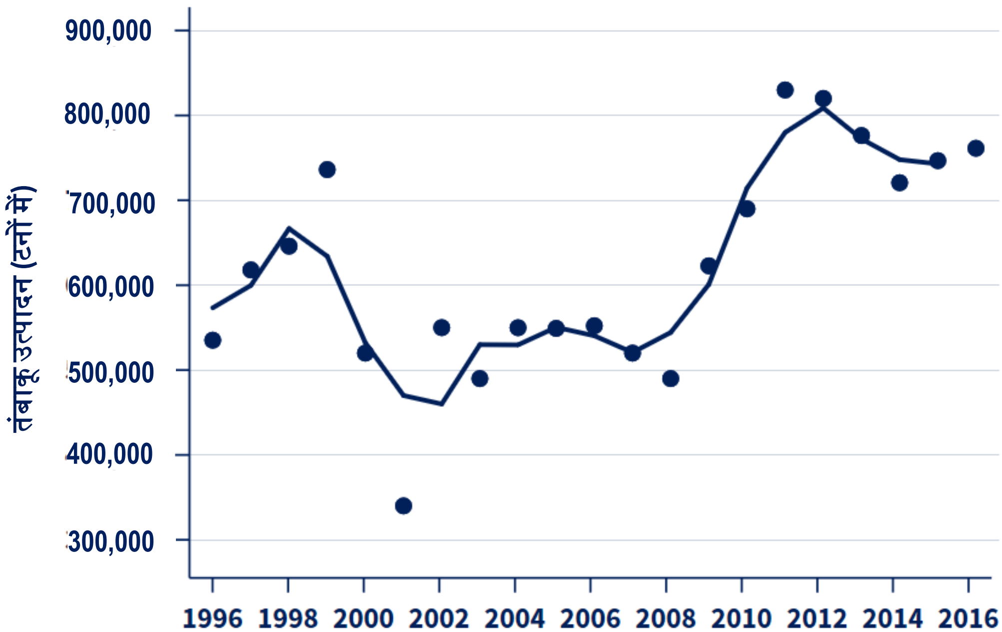

***स्रोत:** यह रेखाचित्र रचयिताओं ने FAOSTAT से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग करके बनाया था।*[1]

[vii] रचयिताओं द्वारा गणना किए गए सरल रेखीय समाश्रयण के अनुमान के अनुसार।

चित्र 11

1996 से 2016 तक भारत द्वारा निर्यात किया गया तंबाकू टनों में।

ट्रेंड लाइन तीन साल के गतिमान औसत का प्रतिनिधित्व करती है।

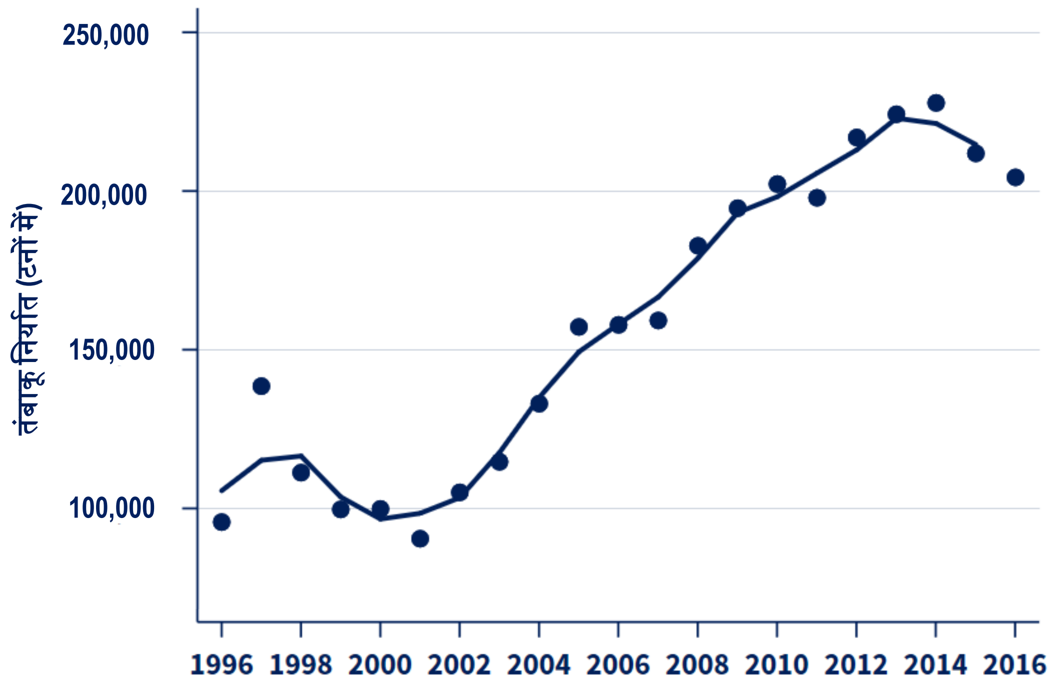

स्रोत: *यह रेखाचित्र रचयिताओं ने BACI से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग करके बनाया था।*[2]

चीन

1996 में चीन ने 3,234,000 टन तंबाकू का उत्पादन किया, पर केवल 74,000 टन तंबाकू का निर्यात किया—जो उसकी कुल फसल का लगभग 2% है। अगले वर्ष, उत्पादन में उछाल आया और वह 4,251,000 टन पर पहुंच गया, पर इस बार भी निर्यात लगभग 2% पर रहा, जिसके तहत 91,000 टन से अधिक तंबाकू विश्वभर में भेजा गया। 1998 में उत्पादन तेज़ी से गिरकर 2,364,000 टन रह गया, पर उसके बाद से इसका रुझान ऊपर की ओर बना रहा, और फिर 2012 से इसमें गिरावट आ रही है। इस समय के दौरान, फसल का निर्यातित अंश 5% से 8% के बीच बना हुआ है।[viii] कुल मिलाकर, चीन ने पिछले दो दशकों में तंबाकू के उत्पादन में लगभग 11,300 टन प्रति वर्ष की और निर्यात में लगभग 5,400 टन प्रति वर्ष की वृद्धि की है (चित्र 12 और 13)।[ix]

[viii] रचयिताओं द्वारा FAOSTAT और BACI से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग करते हुए गणना किए गए के अनुसार।

[ix] रचयिताओं द्वारा गणना किए गए सरल रेखीय समाश्रयण के अनुमान के अनुसार।

चित्र 12

1996 से **2016** तक चीन द्वारा उत्पादित तंबाकू टनों में।

ट्रेंड लाइन तीन साल के गतिमान औसत का प्रतिनिधित्व करती है।

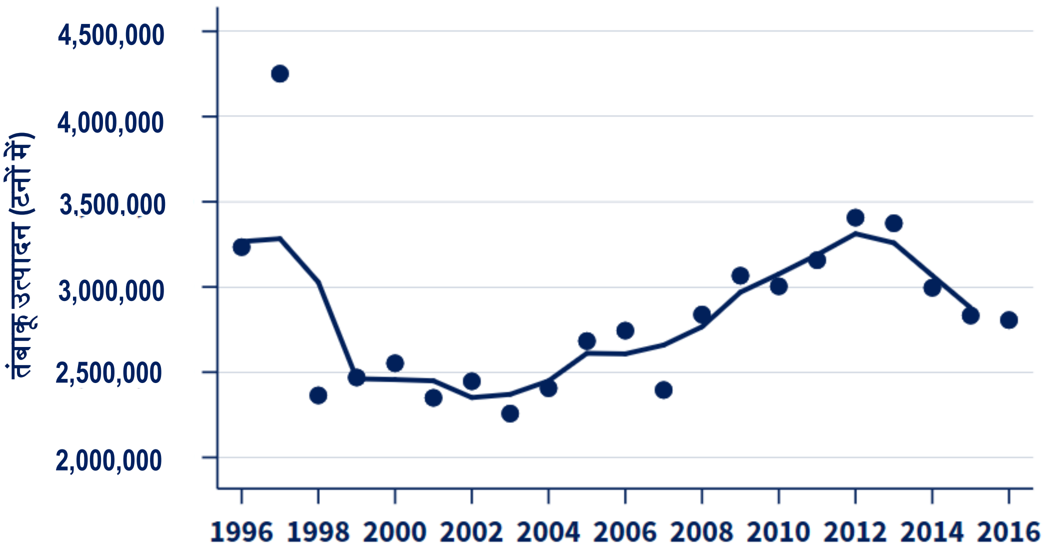

स्रोत: *यह रेखाचित्र रचयिताओं ने FAOSTAT से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग करके बनाया था।*[1]

चित्र 13

1996 से **2016** तक चीन द्वारा निर्यात किया गया तंबाकू टनों में।

ट्रेंड लाइन तीन साल के गतिमान औसत का प्रतिनिधित्व करती है।

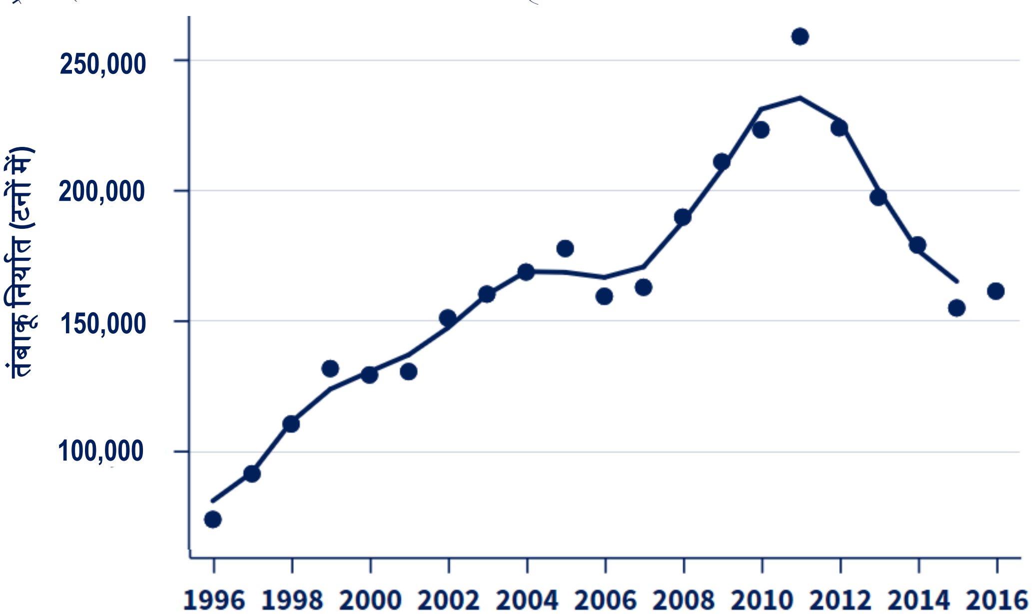

स्रोत: *यह रेखाचित्र रचयिताओं ने BACI से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग करके बनाया था।*[2]

प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं के अंदर तंबाकू मूल्य शृंखला पर पकड़

हालांकि इन तीनों प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं में तंबाकू के उत्पादन और निर्यात, दोनों में वृद्धि हुई है, पर केवल ब्राज़ील ही अपने यहां उत्पादित तंबाकू पत्ती का बड़ा अंश निर्यात करता प्रतीत होता है। 1996 से 2016 के बीच, ब्राज़ील ने अपनी तंबाकू पत्ती की 53% से 81% मात्रा का निर्यात किया है (चित्र 14)। इसके विपरीत, चीन अपने यहां उत्पादित तंबाकू की बड़ी ही मामूली मात्रा का निर्यात करता है—हालिया वर्षों में 8% से अधिक नहीं।[1, 2, x] इसी प्रकार, भारत अपने यहां उत्पादित तंबाकू का एक छोटा अंश ही निर्यात करता है, और उसने हालिया दशकों में अपनी फसल के 37% से अधिक का निर्यात कभी नहीं किया है।[1, 2, xi]

चीन और भारत द्वारा निर्यातित तंबाकू का मामूली अंश दिखाता है कि इन दोनों देशों में अपने विशाल और बढ़ते हुए घरेलू बाज़ार को आपूर्ति देने के लिए स्थानीय तंबाकू विनिर्माण की क्षमता समय के साथ किस हद तक बढ़ गई है। मात्र तंबाकू पत्ती उगाने की बजाय, दोनों ही देशों ने तंबाकू मूल्य शृंखला के अधिक लाभदायक अनुप्रवाही (डाउनस्ट्रीम) घटकों, अर्थात विनिर्माण, वितरण और बिक्री को पकड़ में लेने में सफलता पा ली है। ऐसा करने के दौरान, वे अपने उद्योगों को बढ़ाने और समग्र आर्थिक वृद्धि में योगदान देने में सफल रहे हैं, जिनसे इस क्षेत्र में नौकरियां और आय बढ़ी हैं, जैसा नीचे स्पष्ट किया गया है।

चित्र 14

1996 से 2016 तक ब्राज़ील, चीन और भारत द्वारा निर्यातित तंबाकू उत्पादन का अंश।

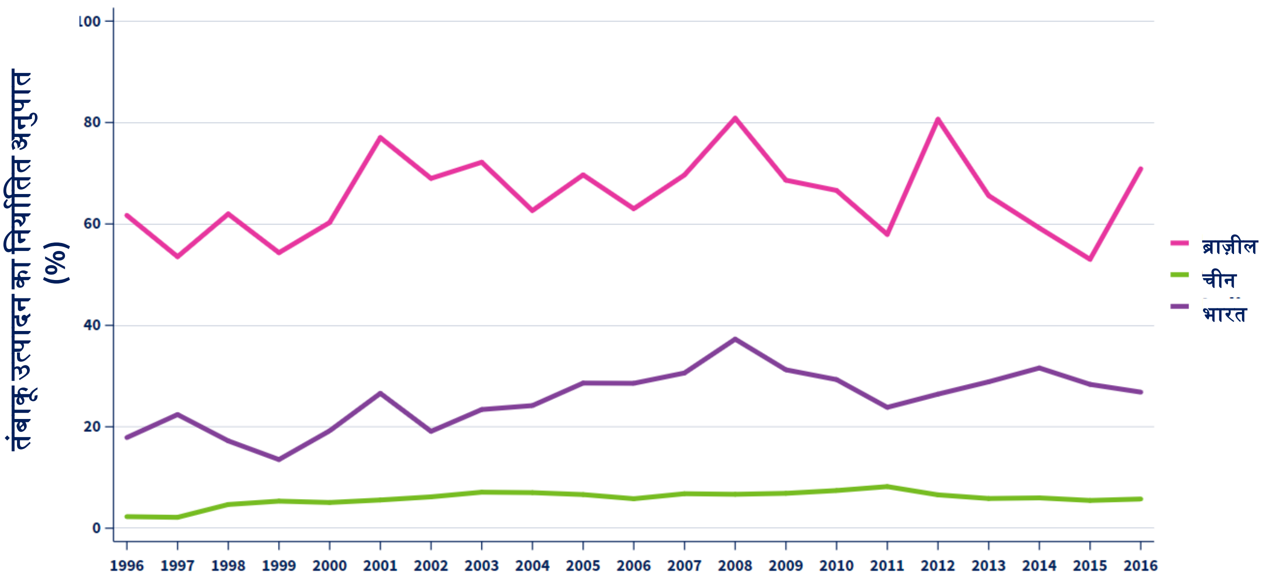

स्रोत: यह रेखाचित्र रचयिताओं ने FAOSTAT और BACI से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग करके बनाया था।[1,2]

चीन के तंबाकू क्षेत्र में केवल एक कंपनी, चाइना नेशनल टोबैको कॉर्पोरेशन (जिसे आमतौर पर चाइना टोबैको के नाम से जाना जाता है) का प्रभुत्व है। चाइना टोबैको राज्य स्वामित्वाधीन उपक्रम है और उसका विशाल घरेलू बाज़ार पर एकाधिकार है जहां विश्व की कुल सिगरेट के 40% की खपत होती है।[5] आश्चर्य नहीं कि इसीलिए चाइना टोबैको विश्व की सबसे बड़ी तंबाकू उत्पाद विनिर्माता है जो विश्व के कुल सिगरेट उत्पादन में 38% का हिस्सा रखती है।[6] चाइना टोबैको के पास 33 प्रांतों में लगभग 130 तंबाकू निर्माण इकाइयां हैं जहां 510,000 लोग कार्य करते हैं, और यह कंपनी वार्षिक सरकारी कर राजस्व में 7% से 11% का योगदान देती है।[7]

[x] रचयिताओं द्वारा FAOSTAT और BACI से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग करते हुए गणना किए गए के अनुसार।

[xi] रचयिताओं द्वारा FAOSTAT और BACI से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग करते हुए गणना किए गए के अनुसार।

वहीं दूसरी ओर भारत में, तंबाकू विनिर्माण का परिदृश्य कहीं अधिक विविधता भरा है, जिनमें आंशिक सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियां शामिल हैं, जैसे आईटीसी लिमिटेड, जिसकी छः राज्यों में मौजूद पांच फ़ैक्टरियों और तीन पत्ती-गाहन संयंत्रों में 26,000 लोग कार्य करते हैं।[8] अन्य संयुक्त उपक्रमों में गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया (मोदी समूह और Philip Morris International के बीच एक साझेदारी), और वीएसटी इंडस्ट्रीज़ शामिल हैं, जिनके अलावा कई अन्य छोटी-छोटी घरेलू कंपनियां भी हैं।

इस रुझान से कंधा मिलाकर चलते हुए, अधो-सहारा अफ़्रीका के कई शीर्ष तंबाकू-उत्पादक व निर्यातक देश इस मार्ग का अनुसरण कर रहे हैं। इन देशों की सरकारें और संबंधित हितधारक, तंबाकू मूल्य शृंखला की अतिरिक्त कड़ियों को अपनी पकड़ में लेने के लिए आतुर हैं और या तो वे तंबाकू-संबंधी उत्पादों के प्रसंस्करण और विनिर्माण को शामिल करने के लिए घरेलू क्षमता का पहले ही विस्तार कर चुके हैं या फिर वे विस्तार के मौकों की तलाश कर रहे हैं।[9,10,11,12,13,14]

तंबाकू के आयातक

अविनिर्मित तंबाकू के शीर्ष आयातक उच्च-आय महाद्वीपों: उत्तरी अमेरिका और यूरोप, में स्थित हैं (चित्र 15)।[2] अधिक विशिष्टता से कहें तो, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय देश जैसे बेल्जियम-लक्ज़मबर्ग, जर्मनी और रूस हालिया वर्षों में आमतौर पर शीर्ष आयातक बने रहे हैं (तालिका 2)।[2]

चित्र 15

2016 में दुनिया भर के देशों द्वारा आयात की गई तंबाकू की कुल मात्रा।

तंबाकू के सबसे बड़े आयातक, आयातित मात्रा के क्रम में, बेल्जियम-लक्ज़मबर्ग, रूस, जर्मनी, संयुक्त राज्य अमेरिका, पोलैंड, इंडोनेशिया और चीन थे।

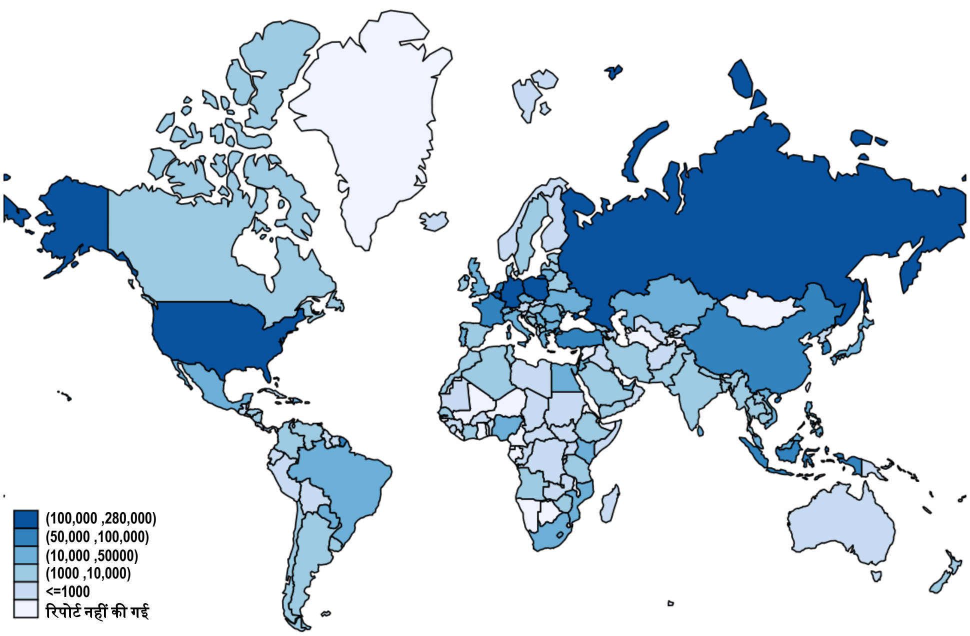

स्रोत: *यह चित्र रचयिताओं ने BACI* से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग करके बनाया था।[2]

इन देशों के भीतर, हालांकि, महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं (तालिका 2)। उदाहरण के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका का तंबाकू आयात 1996 में 331,091 टन से गिरकर 2016 में 153,602 टन रह गया है, वहीं बेल्जियम-लक्ज़मबर्ग का तंबाकू आयात 1996 में 59,573 टन से बढ़कर 2016 में 278,037 टन हो गया है, जो लगभग पांच गुना अधिक मात्रा है (तालिका 2 देखें)। बेल्जियम-लक्ज़मबर्ग ने 2016 में अविनिर्मित तंबाकू आयात के शीर्ष आयातक का और अविनिर्मित तंबाकू के छठवें सबसे बड़े निर्यातक का स्थान पाया। वह विनिर्मित तंबाकू (सिगरेट) के शीर्ष 15 आयातकों या निर्यातकों में नहीं रहा। नीचे बॉक्स 1, इसके लिए एक संभावित स्पष्टीकरण प्रदान करता है।

तालिका 2

1996, 2006 और **2016** में मात्रा वार शीर्ष तंबाकू–आयातक देश।

1996		2006		2016	
देश	मात्रा (टनों में)	देश	मात्रा (टनों में)	देश	मात्रा (टनों में)
यूएसए	331,091	रूस	266,783	बेल्जियम-लक्समबर्ग	278,037
जर्मनी	195,475	यूएसए	249,326	रूस	181,038
युनाइटेड किंगडम	173,757	जर्मनी	199,782	जर्मनी	159,216
रूस	118,134	बेल्जियम-लक्समबर्ग	166,524	यूएसए	153,602
नीदरलैंड	101,006	नीदरलैंड	124,844	पोलैंड	104,836
जापान	91,849	मिस्र	98,423	इंडोनेशिया	92,892
फ्रांस	63,361	फ्रांस	81,684	चीन	89,801
बेल्जियम-लक्समबर्ग	59,573	फिलीपींस	78,904	नीदरलैंड	77,397
स्पेन	53,686	युक्रेन	72,973	तुर्की	76,323
तुर्की	48,367	पोलैंड	66,328	फ्रांस	62,339
कुल (दुनिया भर में)	2,010,881	कुल (दुनिया भर में)	2,484,724	कुल (दुनिया भर में)	2,209,553

स्रोत: *यह तालिका रचयिताओं ने BACI से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग करके बनाई थी।*[2]

बॉक्स 1

बेल्जियम–लक्जमबर्ग का विशेष मामला

बेल्जियम-लक्ज़मबर्ग में अविनिर्मित तंबाकू के आयात में हुई उल्लेखनीय वृद्धि एक अधिक विस्तृत विश्लेषण आवश्यक बनाती है। 1996 से 2016 के बीच, यह देश वैश्विक स्तर पर अविनिर्मित तंबाकू के आयातकों में आठवें से पहले स्थान पर पहुंच गया, और इसके आयात का मुख्य अंश—मात्रा के क्रम में—ब्राज़ील, मालावी, तंज़ानिया, इटली, और भारत से आता है।[2] इस वृद्धि के पीछे के संचालक बल जटिल और बहुकारकीय हैं, जिनमें "लगभग-वास्तविक मुक्त क्षेत्र" के रूप में इसका कार्य, सुप्रचालन की दृष्टि से इसका आकर्षक होना, सीमाशुल्क संबंधी दक्षताएं, विशाल गोदाम सुविधाएं, बंदरगाह पर सुस्थापित तंबाकू व्यापारी, और यूरोपीय संघ का गठन (जिसने बंदरगाह के माध्यम से व्यापार करने वालों के लिए क्षेत्रीय सुगमता की लंबाई-चौड़ाई बढ़ा दी, अतिरिक्त विवरण के लिए नीचे देखें) शामिल हैं।[15,16,17,xii]

ऐतिहासिक रूप से, एंटवर्प बंदरगाह पर विश्व के कुछ सबसे बड़े और सबसे परिष्कृत तंबाकू पत्ती व सिगरेट गोदाम स्थित रहे हैं।[16] फलस्वरूप, तंबाकू व्यापार के इर्द-गिर्द बनाए गए बाज़ार और वितरण नेटवर्क सुस्थापित हैं।[16] इन सुप्रचालन क्षमताओं के कारण एंटवर्प बंदरगाह तंबाकू व्यापारियों के लिए विशेष रूप से आकर्षक बन गया है, और संभवतः यह बंदरगाह—कम-से-कम तंबाकू के परिप्रेक्ष्य में—नीदरलैंड के रॉटरडैम बंदरगाह को पीछे छोड़ देता है।[16,xiii]

साथ ही, एक मुक्त व्यापार गुट के रूप में यूरोपीय संघ की स्थापना होने से ऐसे बहुत से नियामक बदलाव हुए हैं जिन्होंने एंटवर्प बंदरगाह को और भी बढ़त दे दी है। ऐसे ही एक नियामक बदलाव का उदाहरण है एक पारगमन व्यवस्था का विस्तार, जिसने राज्य क्षेत्र से गुजरने वाले माल पर लगने वाले सीमा शुल्कों, उत्पाद शुल्क, और मूल्य-वर्धित कर को निलंबित कर दिया है (हालांकि अंतिम गंतव्य पर पहुंचने पर सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और कर लगते हैं)।[16] इससे पिछले दो दशकों में बेल्जियम-लक्ज़मबर्ग के आयात में हुई तीव्र वृद्धि का आंशिक स्पष्टीकरण मिल जाता है।

यूरोपीय संघ में मुक्त-पारगमन व्यवस्था का एक अनचाहा परिणाम यह रहा कि इससे धोखाधड़ी और तस्करी को सशक्त प्रोत्साहन मिला है। इससे यह प्रोत्साहन मिलता है कि यूरोपीय संघ से बाहर के देशों द्वारा आयात के लिए जाने वाले माल को यूरोपीय संघ के राज्य क्षेत्र की ओर मोड़ देना बेहद फ़ायदे का सौदा हो सकता है क्योंकि उत्पादों को यूरोपीय व्यवस्था के तहत शुल्क-मुक्त पारगमन के लिए भेजा जाएगा पर उन्हें यूरोपीय संघ के राज्य क्षेत्र के अंदर ही शुल्क जुड़ी कीमत पर अवैध ढंग से बेच दिया जाएगा।[16] हालांकि उक्त अविनिर्मित तंबाकू की धोखाधड़ी, तस्करी, और दिशांतरण के पैमाने और दायरे का अच्छी तरह अध्ययन नहीं हुआ है, और विश्लेषण भी पुराना है, पर यूरोप के अंदर अतीत में सिगरेट के मामले में उक्त धोखेबाजी भली-भांति दस्तावेज़ीकृत है।[16] उदाहरण के लिए, यूरोपीय संसद द्वारा किए गए एक अध्ययन में यह अनुमान प्राप्त हुआ था कि 1990 के दशक में यूरोप के भीतर हर वर्ष लगभग 60 अरब सिगरेट इसी प्रकार अवैध ढंग से बेची गई थीं।[16] इस अवैध व्यापार से लगभग USD $6 अरब प्रति वर्ष की हानि हुई थी।[16] इस प्रकार के दिशांतरण के लिए सिगरेट विशेष रूप से आकर्षक वस्तु थीं क्योंकि उनके हल्के वजन के कारण उन्हें ले जाना आसान है और उन पर कर अधिक लगता है।

मात्र कुछ मुट्ठीभर अध्ययनों ने यूरोप के भीतर तंबाकू के एक न्यूनतम प्रसंस्कृत रूप, जिसे कट टोबैको कहते हैं, की तस्करी पर फ़ोकस किया है। इनमें से अधिकांश कार्य ट्रांसक्राइम रिसर्च द्वारा किया गया था जिसे क्षेत्र के अंदर तस्करी पर काबू पाने के उद्देश्य से प्रमुख तंबाकू कंपनियों द्वारा करवाया गया था। इसमें पता चला कि 2015 में पूर्वी यूरोप में 15 देशों के एक गुट में जितने कट टोबैको की खपत हुई उसमें से 48.2% कट टोबैको का अवैध व्यापार हुआ था, जिससे €1 अरब की राजस्व क्षति हुई।[18] 2006 से 2013 के बीच अन्य संस्थानों ने भी बुल्गारिया, सायप्रस, डेनमार्क, हंगरी, आयरलैंड, पोलैंड, नीदरलैंड और स्लोवाकिया में अवैध रॉ (कच्चे) या कट टोबैको की बड़ी जब्तियां सूचित की हैं।[19,20] यूरोपीय छल-रोधी कार्यालय के नीति निदेशक ने नोट किया कि कट टोबैको का अवैध व्यापार अभी-भी एक वर्तमान और बढ़ती हुई समस्या है, विशेष रूप से मध्य और पूर्वी यूरोप में जहां तंबाकू उगाने और उसका व्यापार करने के इर्द-गिर्द बनाया गया तंबाकू नियमन कमज़ोर और छेदों से युक्त है।[21,22]

अवैध व्यापार दुनिया के अन्य भागों में भी होता है। यूरोप के बाहर कुछ मुट्ठीभर अध्ययनों ने अफ़्रीकी देशों, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड में अवैध तंबाकू पत्ती के प्रवाह की जांच-पड़ताल की है। अफ़्रीका में, इनमें से अधिकांश अध्ययनों ने मालावी, ज़ाम्बिया और आस-पास के देशों में तंबाकू पत्ती की तस्करी का विस्तृत वर्णन दिया है।[23,24,25,26,27,28,29] इस गतिविधि का अधिकतर हिस्सा, आस-पास के देशों के पत्ती-खरीद, बोली/नीलामी, और कराधान प्रणालियों के बीच अंतर-पणन (आर्बिट्रेज) के अवसरों द्वारा उत्पन्न, संभवतः दोषपूर्ण प्रोत्साहनों का परिणाम मालूम देता है।[24,29] उदाहरण के लिए, 2005 में ज़ाम्बिया के बाज़ार में मौजूद तंबाकू पत्ती का लगभग 15% हिस्सा, पास के मालावी से तस्करी द्वारा लाया गया था।[29] ऑस्ट्रेलिया में, प्रतीत होता है कि कट टोबैको देश में तस्करी द्वारा भी लाया जाता है और खेतों में अवैध रूप से उगाया भी जाता है।[30] विशेषज्ञों का अनुमान है कि ऑस्ट्रेलिया में 2017 में 1.4 अरब सिगरेट के समतुल्य अवैध कट टोबैको (चॉप-चॉप) की खपत हुई थी।[30] न्यूज़ीलैंड में 2010 से 2013 के बीच औसतन 2,319 किग्रा खुली तंबाकू पत्ती प्रति वर्ष जब्त की गई, और देश में तस्करी द्वारा औसतन 9,541 से 25,019 किग्रा तंबाकू प्रति वर्ष लाए जाने का अनुमान है।[31]

यहां इस बात पर बल देना महत्वपूर्ण है कि हालांकि अवैध तंबाकू का संभावित प्रवाह वैध व्यापारिक प्रवाह के उपलब्ध आंकड़ों पर प्रश्नचिह्न लगाता है, पर वैश्विक स्तर पर यह अवैध व्यापार कितनी मात्रा में हो रहा है इसके बारे में अधिक जानकारी नहीं है। इसकी मात्रा निर्धारित करने में मदद करने के लिए एक अलग अध्ययन की आवश्यकता होगी और इसलिए यह इस लेख के दायरे से परे है।

[xii] एंटवर्प एक पारगमन बंदरगाह है और एक "लगभग-वास्तविक मुक्त क्षेत्र" है, जिसका अर्थ है कि यहां प्रत्यक्ष आयात शुल्कों और लेवियों से बचने की विभिन्न कार्यविधियां उपलब्ध हैं। अनुबद्ध सीमाशुल्क भंडारण (बॉन्डेड कस्टम्स वेयरहाउसिंग), अंतर्गामी प्रसंस्करण, और विस्तारित द्वार, जहां माल अस्थायी रूप से भंडारित किया जा सकता है, से लाभ प्राप्त होते हैं।

[xiii] तुलना के लिए बता दें कि एंटवर्प और रॉटरडैम, क्रमशः विश्व के चौथे और 17वें तथा यूरोप के पहले और दूसरे सबसे व्यस्त बंदरगाह हैं। हर वर्ष 32 देश एक मिलियन टन से अधिक माल एंटवर्प से होते हुए भेजते हैं।

चित्र 16

2016 में चीन में तम्बाकू के आयात के शीर्ष उद्गम।

आयात के शीर्ष उद्गमों में आयातित मात्रा के क्रम में, ब्राज़ील (42,631 टन), संयुक्त राज्य अमेरिका (19,897 टन), अर्जेंटीना (9,702 टन), ज़ाम्बिया (6,475 टन) और कनाडा (3,010 टन) थे।

***स्रोत:** यह चित्र रचयिताओं ने BACI से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग करके बनाया था।*[2]

यहां इस बात पर ध्यान देना भी महत्वपूर्ण है कि निम्न- और मध्यम-आय देशों का एक उप-समुच्चय, जिसमें चीन और इंडोनेशिया शामिल हैं, अविनिर्मित तंबाकू के उल्लेखनीय आयातक बन चुके हैं। 1996 से 2016 के बीच चीन का तंबाकू आयात 17,993 टन से लगभग चार गुना होकर 89,801 टन हो गया, जिससे चीन 2016 में विश्व का सातवां सबसे बड़ा तंबाकू आयातक देश बन गया।[2] इसी प्रकार, 1996 से 2016 के बीच इंडोनेशिया का तंबाकू आयात 42,934 टन से दोगुने से भी अधिक होकर 92,892 टन पर पहुंच गया, जिससे वह 2016 में विश्व का छठवां सबसे बड़ा तंबाकू आयातक बन गया।[2] चीन के तंबाकू के उल्लेखनीय आयातक बनकर उभरने से ब्राज़ील को लाभ हुआ है क्योंकि वह चीन का शीर्ष व्यापार साझेदार है। 2016 में चीन ने ब्राज़ील से 42,631 टन तंबाकू आयात किया था (चित्र 16)। ब्राज़ील के अतिरिक्त, चीन के तंबाकू आयात के अन्य स्रोतों में संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और अन्य निम्न- व मध्यम-आय देश जैसे अर्जेंटीना (9,702 टन) और ज़ाम्बिया (6,475 टन) शामिल हैं। इससे निम्न- और मध्यम-आय देशों के अंदर और उनके बीच तंबाकू व्यापार प्रवाह में वृद्धि का संकेत मिलता है (जिसे प्रायः “दक्षिण-दक्षिण” व्यापार कहा जाता है)।

समापन

इस विश्लेषण ने पिछले दो दशकों में तंबाकू उत्पादन और व्यापार के कई मुख्य रुझानों को उजागर किया है।

- पहले तो, वैश्विक तंबाकू उत्पादन यूरोप और उत्तरी अमेरिका के देशों से अफ़्रीका, एशिया और दक्षिणी अमेरिका के देशों को उल्लेखनीय रूप से विस्थापित हुआ है। 1996 से 2016 के बीच यूरोप और उत्तरी अमेरिका द्वारा तंबाकू उत्पादन का अंश 19.2% से घटकर 9.4% रह गया है, यानि आधे से भी अधिक घट गया है, वहीं अफ़्रीका, एशिया और दक्षिणी अमेरिका का अंश 80.7% से बढ़कर 90.5% हो गया है।
- दूसरे, तीन प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाएं—ब्राज़ील, भारत, और चीन—विश्लेषण की अवधि के दौरान वैश्विक तंबाकू उत्पादन पर लगातार प्रभुत्व बनाए हुई हैं। 2016 में ब्राज़ील, भारत और चीन ने विश्व के कुल तंबाकू का लगभग 64% उत्पादित किया था (चीन ने लगभग 42%, भारत ने 11%, और ब्राज़ील ने 10%)। संयुक्त राज्य अमेरिका कभी एक प्रधान उत्पादक हुआ करता था (और वह आज भी विश्व में चौथे स्थान पर है), पर वैश्विक तंबाकू उत्पादन में उसका अंश गिरकर लगभग 4% रह गया है।
- तीसरे, ब्राज़ील, भारत, और चीन तंबाकू के वैश्विक व्यापार में एक अतिकाय भूमिका भी निभाते हैं—पर यह भूमिका उनके उत्पादन के अनुपात में नहीं है। वर्तमान में, विश्व के कुल व्यापारित तंबाकू का लगभग 20% ब्राज़ील से, 9% भारत से, 7% चीन से और 7% संयुक्त राज्य अमेरिका से आता है। जहां ब्राज़ील अपने यहां उत्पादित तंबाकू पत्ती का अधिकांश भाग निर्यात कर देता है, वहीं चीन और भारत अपेक्षाकृत छोटे अंश का निर्यात करते हैं, जिससे संकेत मिलता है कि इन दोनों देशों ने प्राथमिक उत्पादन से आगे जाकर मूल्य शृंखला की अतिरिक्त कड़ियों को अपनी पकड़ में लेने में सफलता पा ली है। अन्य निम्न- और मध्यम-आय वाले देश इनका अनुसरण करने को आतुर दिखते हैं।
- आखिरकार, चीन तंबाकू का एक महत्वपूर्ण आयातक बन गया है, जिसमें से अधिकांश ब्राज़ील से आता है। यह शायद एक संकेतक है कि निम्न और मध्यम आय वाले देशों के बीच व्यापार बढ़ रहा है।

तंबाकू उत्पादन और व्यापार के इस विश्लेषण ने वैश्विक तंबाकू अर्थव्यवस्था में प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं की बढ़ती भूमिका को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया है। ब्राज़ील प्रधान निर्यातक की भूमिका में बना हुआ है, वहीं चीन तंबाकू का एक उल्लेखनीय आयातक और निर्यातक, दोनों बन गया है। इन दोनों देशों के बीच का व्यापार—जो अधिक सामान्य स्तर पर निम्न- और मध्यम-आय देशों के बीच व्यापार में वृद्धि का सूचक है—बढ़ रहा है, और वैश्विक मूल्य शृंखला में अनुप्रवाही (डाउनस्ट्रीम) दिशा में चीन और भारत द्वारा निभाई जा रही भूमिका का महत्व बढ़ता जा रहा है।

तम्बाकू नियंत्रण प्रयासों के लिए इन प्रवृत्तियों के महत्वपूर्ण निहितार्थ हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, वे तंबाकू नियंत्रण प्रोत्साहनों में उच्च-आय देशों और निम्न- व मध्यम-आय देशों के बीच चौड़ी होती खाई पर प्रकाश डालते हैं। अब जबकि उच्च-आय देशों में तंबाकू का उत्पादन और निर्यात कमज़ोर पड़ रहा है, धीरे-धीरे केवल धूम्रपान का स्वास्थ्य-बोझ ही उनकी एकमात्र तंबाकू-संबंधी चिंता बनता जा रहा है। इसके विपरीत, चूंकि निम्न- और मध्यम-आय देशों में तंबाकू का उत्पादन और निर्यात बढ़ रहा है, तो कुछ लोग यह तर्क दे सकते हैं कि धूम्रपान से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों से उत्पन्न नकारात्मक आर्थिक बाह्यताएं, तंबाकू के उत्पादन और विनिर्माण से मिलने वाले आर्थिक लाभों से, कम-से-कम आंशिक रूप से, प्रति-संतुलित हो रही हैं। हालांकि ये तर्क आकर्षक होने के साथ-साथ विवादास्पद भी हो सकते हैं, यहां एक सुसंगत और प्रेरक नीतिगत प्रतिक्रिया की आवश्यकता है जो देशों को तंबाकू उत्पादन, विनिर्माण, और उपभोग से दूर धकेले भी और खींचे भी। सबसे महत्वपूर्ण बात, तंबाकू के वैश्विक व्यापार के संचालक बलों, जिनमें विनिर्मित तंबाकू का संचलन, और तंबाकू नियंत्रण प्रयासों के निहितार्थ शामिल हैं, पर अतिरिक्त शोध किए जाने की आवश्यकता है।

[1] FAOSTAT. संयुक्त राष्ट्र का खाद्य और कृषि संगठन (FAO)। http://www.fao.org/faostat/en/#home. 1 जुलाई 2018 को एक्सेस किया गया।

[2] BACI. World Trade Database by CEPII. 2016. http://www.cepii.fr/CEPII/en/bdd_modele/presentation.asp?id=1. 1 अगस्त 2018 को एक्सेस किया गया।

[3] Hu TW, Lee AH. Tobacco control and tobacco farming in African countries. J Public Health Policy. 2015;36(1):41-51. doi: 10.1057/jphp.2014.47.

[4] The Library of Congress - Congressional Research Service. U.S. Tobacco Production, Consumption, and Export Trends. http://nationalaglawcenter.org/wp-content/uploads/assets/crs/RL30947.pdf. 3 जून, 2003 को अद्यतन किया गया। 11 अप्रैल 2019 को एक्सेस किया गया।

[5] The Tobacco Atlas. Consumption. https://tobaccoatlas.org/topic/consumption/. 11 अप्रैल 2019 को एक्सेस किया गया।

[6] Foundation for a Smoke-Free World. Global Trends in Nicotine. https://www.smokefreeworld.org/sites/default/files/fsfw-report-trends-in-nicotine-1005201811.pdf. 11 अप्रैल 2019 को एक्सेस किया गया।

[7] Fang J, Lee K, Sejpal N. The China National Tobacco Corporation: from domestic to global dragon? Glob Public Health. 2017;12(3):315-334. doi:10.1080/17441692.2016.1241293.

[8] ITC Limited. Report and Accounts 2018. https://www.itcportal.com/about-itc/shareholder-value/annual-reports/itc-annual-report-2018/pdf/ITC-Report-and-Accounts-2018.pdf. 11 अप्रैल 2019 को एक्सेस किया गया।

[9] Times of Zambia. Tobacco Vital to Economy. http://www.times.co.zm/?p=57328. 8 अप्रैल 2019 को एक्सेस किया गया।

[10] East African Business Week - EABW Digital. Tobacco to Pump US$345m into Government Coffers. https://www.busiweek.com/tobacco-to-pump-us345m-into-government-coffers/. 15 मार्च 2019 को प्रकाशित। 11 अप्रैल 2019 को एक्सेस किया गया।

[11] Lusakatimes.com. Chipata in More Tobacco Factory Establishment. https://www.lusakatimes.com/2017/12/19/chipata-tobacco-factory-establishment/. 19 दिसंबर, 2017 को प्रकाशित। 11 अप्रैल 2019 को एक्सेस किया गया।

[12] The MaraviPost. DPP-Mutharika Falls Short of 2014 Campaign Promises. http://www.maravipost.com/dpp-mutharika-falls-short-of-2014-campaign-promises/. 31 मार्च 2019 को प्रकाशित। 11 अप्रैल 2019 को एक्सेस किया गया।

[13] All Africa. तंजानिया: Relief for Farmers as Mega Urambo Tobacco Factory in Pipeline. https://allafrica.com/stories/201811120109.html. 10 नवंबर 2018 को प्रकाशित। 11 अप्रैल 2019 को एक्सेस किया गया।

[14] Zambia Daily Mail. State in Process of Reviewing Tobacco Act. http://www.daily-mail.co.zm/state-in-process-of-reviewing-tobacco-act/. 6 मार्च 2018 को प्रकाशित। 11 अप्रैल 2019 को एक्सेस किया गया।

[15] Port of Antwerp. Customs Solutions – We Keep Moving You Smoother. https://www.portofantwerp.com/en/customs-solutions-we%E2%80%99ll-keep-moving-you-smoother#freeport. 11 अप्रैल 2019 को एक्सेस किया गया।

[16] Abedian I, van der Merwe R, Wilkins N, Jha P. The Economics of Tobacco Control: Towards an Optimal Policy Mix. केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका: University of Cape Town Applied Fiscal Research Centre, 1998.

[17] Port of Antwerp. Antwerp, Your European Customs Highway. https://www.portofantwerp.com/sites/portofantwerp/files/POA-1312_Brochure%20Douane_LR_0.pdf. 11 अप्रैल 2019 को एक्सेस किया गया।

[18] Crime&tech and Università Cattolica del Sacro Cuore. Bulk Tobacco Study 2015: Assessing the Illicit Trade and Consumption of Cut Tobacco in 15 Markets in Europe. https://www.crimetech.it/media/BulkTobaccoStudy2015.pdf. दिसंबर, 2016 को प्रकाशित। 11 अप्रैल 2019 को एक्सेस किया गया।

[19] Irish News. New Smuggling Racket Smashed After Massive Tobacco Seizure. https://www.independent.ie/irish-news/new-smuggling-racket-smashed-after-massive-tobacco-seizure-26581323.html. 12 नवंबर 2009 को प्रकाशित। 11 अप्रैल 2019 को एक्सेस किया गया।

[20] Transcrime. European Outlook on the Illicit Trade in Tobacco Products. http://www.transcrime.it/wp-content/uploads/2015/01/European-Outlook-on-the-ITTP.pdf. 11 अप्रैल 2019 को एक्सेस किया गया।

[21] Euractiv. OLAF: Illicit Cut Tobacco Is a Significant and Growing Market. https://www.euractiv.com/section/economy-jobs/news/olaf-illicit-cut-tobacco-is-a-significant-and-growing-market/. 24 अप्रैल, 2018 को प्रकाशित। 11 अप्रैल 2019 को एक्सेस किया गया।

[22] The Confederation of European Community Cigarette Manufacturers (CECCM). Contraband Surges in Europe. https://www.ceccm.eu/wp-content/uploads/2018/02/2018-2-TOBJOURN-European-smuggling-ilovepdf-compressed.pdf. 11 अप्रैल 2019 को एक्सेस किया गया।

[23] United Nations Conference on Trade and Development. Competition Issues in the Tobacco Industry of Malawi. https://unctad.org/en/PublicationsLibrary/ditcclp2011d5_en.pdf. Published 2011. 11 अप्रैल 2019 को एक्सेस किया गया।

[24] Institute of Developing Economies Japan External Trade Organization. Alliance One Tobacco (Malawi) Ltd. https://www.ide.go.jp/English/Data/Africa_file/Company/malawi02.html. 11 अप्रैल 2019 को एक्सेस किया गया।

[25] Jaffee S. Malawi's Tobacco Sector: Standing on One Strong Leg Is Better Than on None. Africa Region Working Paper Series; No. 55. Washington, DC: World Bank. http://documents.worldbank.org/curated/en/505031468757241265/Malawis-tobacco-sector-standing-on-one-strong-leg-is-better-than-on-none. 11 अप्रैल 2019 को एक्सेस किया गया।

[26] Otañez MG, Mamudu H, Glantz SA. Global leaf companies control the tobacco market in Malawi. Tob Control. 2007;16(4):261-269. doi: 10.1136/tc.2006.019273.

[27] Nyasa Times. Malawi: JTI Blames Malawi Tobacco Growers for Breach of Contract. https://allafrica.com/stories/201808150474.html. 14 अगस्त 2018 को प्रकाशित। 11 अप्रैल 2019 को एक्सेस किया गया।

[28] Prowse M. Becoming a bwana and burley tobacco in the central region of Malawi. Journal of Modern African Studies. 2009;47(4):575-602. doi: 10.1017/S0022278X09990139.

[29] iisd - International Institute for Sustainable Development. Tobacco Revenue Management: Malawi Case Study. https://www.iisd.org/pdf/2007/trade_price_case_tobacco.pdf. जून 2007 को प्रकाशित। 11 अप्रैल 2019 को एक्सेस किया गया।

[30] Oxford Economics. Asia Illicit Tobacco Indicator 2017: Australia. https://illicittobacco.oxfordeconomics.com/media/OXFO5877_Australia_2018_Report.pdf. सितंबर 2018 को प्रकाशित। 11 अप्रैल 2019 को एक्सेस किया गया।

[31] Ajmal A, U VI. Tobacco tax and the illicit trade in tobacco products in New Zealand. Aust N Z J Public Health. 2015;39(2):116-120. doi: 10.1111/1753-6405.12389.